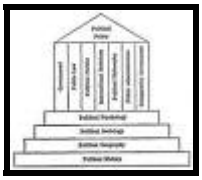

राजनीति विज्ञान एक कॅरिअर के रूप में

सुधाकर कुमार मिश्र

अपने व्यापक रूप में राजनीति एक ऐसा कार्यकलाप है जिसमें व्यक्ति उन सामान्य नियमों को बनाते हैं, संरक्षित रखते हैं और संशोधित करते हैं जिनके अधीन वे रहते हैं। सामाजिक विज्ञान का एक क्षेत्र माना जाने वाला राजनीति विज्ञान किसी देश के संविधान (संविधान किसी भी राष्ट्र की सर्वोच्च विधि है) और विभिन्न राजनीतिक पहलुओं का अध्ययन है। इसमें सरकारी, गैर–सरकारी व्यवस्थाओं और कार्य–परिचालन का अध्ययन निहित है। तद्नुसार राजनीति विज्ञान प्रायः ट्रेड यूनियनों, निगमों या अन्य समूहों की कार्य–पद्धतियों का अध्ययन करता है जिनका विधि एवं प्रशासन के संबंध में राजनीतिक होना आवश्यक नहीं होता, किंतु उनकी जटिलता सरकारी पद्धतियों की जटिलता के समान होती है। राजनीति विज्ञान का अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, राजनीतिक सिद्धांतों, इतिहास, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, विदेशी नीतियों, लोक प्रशासन फैडरेशन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं अनेक अन्य शैक्षिक क्षेत्रों से संबंधित होता है।

राजनीतिक शब्द एक विशेष सामाजिक तथ्य तथा प्रणालीबद्ध अध्ययन पर लागू होता है। अरस्तू ने राजनीति को अपनी मुख्य कृति के शीर्षक के रूप अंगीकार किया था, उन्होंने इस शब्द का उपयोग अध्ययन की एक विशिष्ट शाखा का उल्लेख करने के लिए किया था। ''हमारे अध्ययन का विषय ''राजनीति'' या ''राजनीति विज्ञान'' शब्द एक विशेष प्रकार के मानव कार्यकलाप से संबंधित है। राजनीति सार्वजनिक क्षेत्र, संसद, चुनावों, मंत्रिमंडल से संबंधित है, और इसकी मानव कार्यकलापों के अन्य पहलुओं से थोड़ी प्रासंगिकता है। ''राजनीति विज्ञान'' शब्द जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में इतिहास के एक प्रोफेसर हर्बर्ट नेक्सटर एडम्स द्वारा 1880 में अस्तित्व में आया। राजनीति विज्ञान भारत तथा विदेशों में सभी बड़े संस्थानों में पढ़ाया जाता है, राजनीति विज्ञान का अध्ययन न केवल तर्क–शक्ति एवं विश्लेषिक कौशल का बल्कि भाष्य एवं लिखित दोनों प्रकार के अभिव्यक्ति कौशल का भी विकास करता है। इसके अतिरिक्त, मोटे तौर पर राजनीति विज्ञान विशेषज्ञ सूचना विश्लेषण एवं कम्प्यूटर उपयोग में कौशल प्राप्त करते हैं। राजनीति विज्ञानी, राजनीति विज्ञान में या किसी राजनीति विज्ञान में स्नातक डिग्री प्राप्त करके अनुसंधान सहायक के रूप में क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। तथापि, कोई उच्च पद धारण करने के लिए आपको राजनीति विज्ञान में कम से कम मास्टर डिग्री की आवश्यकता होगी। अध्यापन क्षेत्र में जाने के लिए आपको स्नातक योग्यता के बाद पी.एचडी की आवश्यकता होगी। आप सिविल सेवा परीक्षाओं जैसे सं.लो.से.आ., क.च.आ. (एसएससी) एवं राज्य लोक सेवा आयोग, तथा संयुक्त लोक सेवा आयोग (जे.पी.एस. सी.) में भी बैठ सकते हैं। स्नातकोत्तर योग्यता के बाद कोई भी व्यक्ति नेट या सेट/स्लेट चुन सकता है।

राजनीति विज्ञानी कौन हैं?

राजनीति विज्ञानी राजनीतिक व्यवस्था का अध्ययन करते हैं। जबकि अधिकांश उन प्रवृत्तियों की खोज करने का प्रयास करते हैं जो उनकी पहचान, उनकी रुचि तथा कार्यों को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाती हैं। उदाहरण के लिए कुछ ऐसे व्यक्ति राजनीतिक मामलों पर लोगों की राय का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण करते हैं, जबकि अन्य व्यक्ति चुनाव–परिणामों का विश्लेषण करने के लिए मुद्दों का उपयोग करते हैं, वे उन साधनों का अध्ययन करते हैं जिनसे व्यक्ति अपना समाज, चाहे वह पड़ौसी, समुदाय या राष्ट्र हो की व्यवस्था करते हैं।

कार्य–प्रोफाइल

राजनीति विज्ञानी सर्वेक्षण करता है, चुनाव–परिणामों का विश्लेषण करता है, संबंधित व्यक्तियों का साक्षात्कार लेता है और उपलब्ध प्रलेखों की जांच करता है। कुछ व्यक्ति विधिक कार्यवाही में उपस्थित होते हैं और सार्वजनिक घटनाओं का निरीक्षण करते हैं : अन्य कार्य निम्नलिखित हैं :–

- सरकारी अधिकारियों के साथ परामर्श कार्य,
- सार्वजनिक मामलों का पता लगाना, अनुसंधान, विश्लेषण एवं समर्थन करना।
- रिपोर्टें एवं प्रलेख तैयार करना
- समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं तथा दैनिकों में प्रकाशन हेतु लेख लिखना।
- राष्ट्रपति, गवर्नर जैसे संवैधानिक पदों के सलाहकार।

अध्यापन

राजनीति विज्ञानियों की बड़ी संख्या इंटरमीडिएट कॉलेजों, डिग्री कॉलेजों या विश्वविद्यालय स्नातक विभागों तथा प्रबंध–संस्थानों में अध्यापन कार्य है। राजनीति विज्ञान अन्यों के साथ सम्पर्क स्थापित करने वाला एक लाभप्रद क्षेत्र है। एक राजनीति विज्ञानी भारत तथा अन्य देशों, भारत एवं संयुक्त राष्ट्र संघ के बीच संबंधों एवं राष्ट्रों की संस्थाओं तथा राजनीतिक जीवन का अध्ययन करने में अपनी भूमिका निभाता है तथा उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय के निर्णयों के अध्ययन में भी अपनी भूमिका निभाता है। ये सार्वजनिक राय, राजनीतिक निर्णय लेने, विचारधारा एवं सार्वजनिक नीति, कर्ताओं तथा गैर–राज्य कर्ताओं जैसे विषयों का अध्ययन करते हैं।

राजनीति विज्ञानी सामान्यतः सरकारों की संरचना एवं कार्यों तथा विभिन्न राजनीतिक हस्तियों का विश्लेषण करते हैं। अध्ययन के विषय निर्धारित करते हैं कि राजनीतिक विज्ञानी सार्वजनिक राय सर्वेक्षण करेगा, चुनाव परिणामों का विश्लेषण करेगा या सार्वजनिक प्रलेखों का विश्लेषण करेगा अथवा सरकारी अधिकारियों का साक्षात्कार लेगा।

अधिकांश राजनीति विज्ञानी के नियमित कार्य–घंटे होते हैं। किसी को क्रमशः डैस्क के पीछे या अकेले या किसी टीम के सहयोग से कार्य करने तथा अत्यधिक अध्ययन, लेखन एवं अनुसंधान की आवश्यकता होगी। सूचना एकत्र करने या बैठकों में भाग लेने के लिए क्षेत्रगत कार्य आवश्यक हो सकता है।

अनुसंधान

राजनीति विज्ञान में सामान्य कॅरिअर विकल्प के रूप में अनुसंधान का स्थान अध्यापन के बाद दूसरा है। तथापि, अध्यापन एवं अनुसंधान के बीच विकल्प होना आवश्यक नहीं है, कई अध्ययन पदों पर विशेष रूप से विश्वविद्यालयों में, किंतु कॉलेजों, सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों, प्रबंध संस्थाओं में भी, अनुसंधान कार्य अपेक्षित होते हैं।

कोई भी व्यक्ति विभिन्न रोज़गार संस्थाओं–विश्वविद्यालय संस्थान में, किसी व्यवसाय में अथवा औद्योगिक फर्म में, या किसी गैर–सरकारी संगठन, या यहां तक कि किसी गैर लाभग्राही या वकालत क्षेत्र में भी अनुसंधान कर सकता है। कोई स्व–रोज़गार वाला अपना निजी अनुसंधान या परामर्श फर्म चला सकता है।

संचार

राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रमों में कई स्नातक प्रिंट, दूरदर्शन या रेडियो पत्रकारिता में जाना पसंद करते हैं, जहां वे दिन प्रतिदिन की घटनाओं के बारे में रिपोर्ट तैयार करने के लिए राजनीतिक व्यवस्थाओं की अपनी विशेषज्ञ समझ का उपयोग करते हैं। राजनीति विज्ञानी चुनावों को कवर कर सकते हैं, साक्षात्कार ले सकते हैं, या प्रेस कांफ्रेंस में भाग ले सकते हैं। जहां उन्हें प्रायः प्रश्न पूछने के अवसर मिलते हैं। अधिकांश पत्रकार वास्तविकता के महत्व को समझते हैं और समाचारों तथा रिपोर्टों को इस तरह प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं कि जो राय की तुलना में वास्तविक सूचना प्रतीत हो।

राजनीतिक प्रैक्टिस

राजनीतिक प्रैक्टिस के लिए अनेक विकल्प हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं :

- **नीति निर्माण एवं प्रशासन :** राजनीति विज्ञानियों के लिए व्यापक अवसर हैं जो अपने मूल राजनीतिक प्रशिक्षण का उपयोग अधिक प्रमाणित नीति–निर्णय लेने और कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी रूप में तथा अधिक कल्पनाशील रूप में संचालित करने में कर सकता है। सामान्यतः या कुशल नीति प्रशासक स्वयं अनुसंधान नहीं करेगा (शायद वह ऐसा पूर्व–कॅरिअर चरण पर कर चुका हो)। किंतु उससे अनुसंधान साहित्य पढ़ने, ऐसी उपयोग अनुसंधान परियोजनाओं को समझने की जो प्रारंभ की जा सकें, उन पूर्णकालिक अनुसंधानकर्ताओं जो या तो उनके कर्मचारी हैं या बाहरी परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं, से सहयोग करने और राजनीति विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान के विकासशील ज्ञान को सामने खड़ी समस्याओं के निराकरण पर लागू करने की प्रत्याशा की जाएगी। वास्तव में ये समस्याएं विशेष रोज़गार स्थापना के आधार पर भिन्न होती हैं – उन्हें आवासन, परिवहन, शिक्षा, समुदाय संबंध, कार्पोरेट हायरिंग नीतियों, स्वास्थ्य, विधि, प्रवर्तन या अन्य बड़े सामाजिक संस्थाओं से जोड़ा जा सकता है।

- **सरकारी क्षेत्र में अवसर :** सरकारी संस्थापनाओं में कई राजनीतिक विज्ञानी अनुसंधान कार्य करते हैं; अन्य कार्यक्रमों का प्रबंध है और कुछ अपनी एजेंसियों के लिए समस्या–समाधान में लगे होते हैं। यद्यपि उनकी विशेषज्ञता के विशिष्ट क्षेत्र भिन्न होते हैं, किंतु राजनीति विज्ञानी ऐसी कुशलता, ज्ञान तथा अनुभव रखते हैं जिसे सरकार में सभी स्तरो पर अच्छे उपयोग में लगाया जा सकता है। केंद्रीय या राज्य तथा स्थानीय सरकार में कई राजनीति विज्ञानियों को अनुसंधान तथा सरकार के कार्यों/शक्तियों के मूल्यांकन में लगाया जाता है। कुछ कार्यक्रमों के प्रशासक, प्रबंधक या विकासकर्ता होते हैं और कई अन्य नीति विश्लेषण या समस्या समाधान क्षेत्र में रखे जाते हैं। उन्हें व्यापक रूप से विभिन्न एजेंसियों और सरकारी विभागों में रखा जाता है। राज्य स्तर पर कई राजनीति विज्ञानी शहरी नियोजन, स्वास्थ्य योजना तथा आपराधिक न्याय व्यवस्था में रखे जाते हैं। चूंकि किसी राजनीति विज्ञानी के कार्य जटिल होते हैं, और सामाजिक समस्याओं का उपयुक्त समाधान ढूंढ़ना कठिन होता है, इसलिए अच्छी सूचना एवं व्यापक ज्ञान होना आवश्यक होता है। अनुसंधान सर्वेक्षण एवं मूल्यांकन में कुशलता तथा जरण (एजिंग), आपराधिक न्याय, जनांकिकी एवं परिवार जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता राजनीति विज्ञानियों को यह समझने में समर्थ बनाती हैं कि उन वर्तमान या प्रस्तावित सरकारी कार्यक्रमों में क्या चल रहा है। जिनका व्यापक जन–समुदाय पर प्रभाव पड़ेगा। वे सरकारी तंत्र से समस्या–समधान में प्रयोग के लिए सूचना एकत्र करते हैं। वे अपने विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञ होते हैं।

- **व्यवसाय तथा उद्यमशीलता में अवसर :** स्नातकोत्तर डिग्रीधारी राजनीति विज्ञानी विभिन्न क्षेत्रों जैसे मानव संसाधन, प्रबंधन आदि में जा सकता है। उच्च डिग्रीधारी राजनीति विज्ञानी कई निगमों द्वारा रखे जाते हैं (या उनसे परामर्श लिया जाता है)। कई राजनीति विज्ञानी उन सार्वजनिक राय अनुसंधान में भी लब्ध प्रतिष्ठित होते हैं जो राजनीति तथा संचार में कार्यरत व्यक्तियों के हित के होते हैं। उद्योगों में उन्हें प्रायः औद्योगिक राजनीति विज्ञानी – उत्पादकर्ता कार्य या कार्य–बलों में शारीरिक रूप से अक्षम, अल्पसंख्यक तथा महिला, संगठन से प्रौद्योगिकी जोड़ने, कार्पोरल संस्कृति तथा संगठन–विकास में विशेषज्ञ के रूप में रखा जाता है। उद्योग तथा व्यवसाय में राजनीति विज्ञानी व्यवसाय की विभिन्न समस्याओं के समाधान का व्यापक कौशल एवं ज्ञान रखते हैं जो उन्हें कार्य पर रखने वाली कंपनियों के लाभ में सहायक होते हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं :– (क) भविष्य के लिए नियोजन – जनांकिकी एवं पूर्वानुमान का उपयोग करना, (ख) प्रशिक्षण तकनीकों तथा संगठनात्मक एवं प्रतिस्पर्धी विश्लेषण का प्रयोग करते हुए संगठनात्मक परिवर्तन एवं विकास से जुड़े कार्य करना, और (ग) टीम–निर्माण कार्य के माध्यम से उत्पादकता एवं दक्षता बढ़ाना।

कौशल :

राजनीति विज्ञानियों को अनुसंधान निष्कर्ष रिपोर्ट तथा अनुसंधान पर सहयोग देने के लिए उत्कृष्ट लिखित एवं भाष्य अभिव्यक्ति कौशल की आवश्यकता है। उन्हें व्यापक स्तर की बौद्धिक जिज्ञासा तथा सर्जनशीलता रखना भी आवश्यक होता है, क्योंकि उन्हें निरंतर नई सूचना लेने के लिए जागरूक होना होता है। अन्य अपेक्षित कौशल में निम्नलिखित शामिल हैं :– तर्कसंगत प्रणालीबद्ध सोच, अच्छा विश्लेषिक कौशल, आत्म–विश्वास तथा मानव–मनोविज्ञान की समझ। एक खुला मस्तिष्क तथा सुव्यवस्थित कार्य–आदत सभी प्रकार के सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में महत्वपूर्ण होती है। दृढ़ता होना भी आवश्यक है। किसी ऐसे कॅरिअर जिसका, राजनीति विज्ञान में

अपना आधार है, सफल होने के लिए संसदीय कार्य–पद्धतियों के बारे में सुपरिचित होना आवश्यक है। सामाजिक–आर्थिक, राजनीतिक तथा अंतर्राष्ट्रीय मामलों का ज्ञान होना भी एक अनिवार्य अपेक्षा है।

सतर्क मस्तिष्क, उत्थान–शक्ति, कार्य– कुशलता, कूटनीति, लचीलापन एवं जागरूकता होना भी अनिवार्य है। आलोचना सुनने, समस्या–समाधान का कौशल, निर्णय लेने, दलों का प्रबंध करने तथा समय का प्रभावी रूप प्रबंधन करने की कुशलता भी कुछ अनिवार्य गुण हैं। संकट की स्थिति से निपटने और भावनात्मक रूप से दृढ़ एवं परिपक्व होने की क्षमता भी अन्य महत्वपूर्ण पहलू हैं।

संभावना

एक राजनीति विज्ञानी के रूप में कोई भी व्यक्ति किसी सरकार के लिए, किसी अुनसंधान संगठन, गैर–लाभ भोगी संगठन, किसी राजनीतिक दल, कॉलेज या विश्वविद्यालय या किसी व्यवसाय संस्था के लिए कार्य कर सकता है। रोज़गार के कुछ क्षेत्र निम्नलिखित हैं :–

- लोक प्रशासन
- सार्वजनिक नियोजन
- सामाजिक नीति
- शिक्षाविद्
- सार्वजनिक कार्य
- विश्लेषण
- अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अंतर्राष्ट्रीय कार्य
- कूटनीति
- पुरातत्वविद्
- विदेशी पत्रकार
- आसूचना विशेषज्ञ
- नगर नियोजक
- राजनयिक
- अंतर्राष्ट्रीय संगठन
- कार्यपालक सलाहकार
- किसी विदेशी दूत का अनुवादक

वेतन

वेतन कार्य प्रोफाइल पर निर्भर करता है और इसलिये कोई ऐसी सीमा नहीं है जिसका उल्लेख किया जा सके। आप अपना कॅरिअर राजनीति विज्ञान में प्रारंभ कर सकते हैं यह आपके व्यक्तित्व–विकास तथा भावी उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक हो सकता है।

(सुधाकर कुमार मिश्र राजनीति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ से एक कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता हैं)